# Rekha V.V.I. Questions for 2022 Examination

## नीचे दिय गये *V.V.I.* प्रश्नों के उत्तर आपके *Rekha Guess Paper Part-II Corporate Accounting* में मौजूद हैं


- **वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर V. V. I.** ..... 7

1. अंशों के निर्गमन के सम्बन्ध में लेखांकन पद्धति का वर्णन करें। ..... 10
2. अंशों के हरण से आप क्या समझते हैं ? अंशों के हरण एवं पुनः निर्गमन हेतु जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए। **V. V. I.**
   **अथवा,** अंशों की जब्ती के संबंध में लेखांकन पद्धति की व्याख्या कीजिए। ..... 12
3. अधिलाभांश अंशों के निर्गमन का वर्णन करें। ..... 13
4. समामेलन के पूर्व एवं पश्चात् लाभ अथवा हानि क्या है ? इसकी गणना क्यों की जाती है ? **V. V. I.** ..... 20
5. विलय के स्वभाव और क्रय के स्वभाव के एकीकरण से आप क्या समझते हैं ? इन दोनों में क्या अंतर है ? ..... 24
   **अथवा,** एकीकरण क्या है? एकीकरण के प्रकारों का वर्णन करें। ..... 25
6. एकीकरण से सम्बन्धित लेखांकन व्यवहारों का वर्णन करें।
7. कम्पनी के पुनर्निर्माण से आप क्या समझते हैं ? कम्पनी के बाह्य एवं आंतरिक निर्माण में अंतर स्पष्ट कीजिए। ..... 30
8. सूत्रधारी और सहायक कम्पनियों से आप क्या समझते हैं ? सूत्रधारी कम्पनी की पुस्तकों में लेखों का वर्णन करें। ..... 31
9. समेकित आर्थिक चिट्ठे से आप क्या समझते हैं ? यह कैसे बनाया जाता है ? **V. V. I.** ..... 33
10. दोहरा खाता प्रणाली से आप क्या समझते हैं ? यह सामान्य लेखा प्रणाली से किस प्रकार भिन्न है ? ..... 42
11. दोहरा लेखा प्रणाली की मुख्य विशेषताओं एवं गुण तथा दोषों का वर्णन कीजिए। ..... 44
12. बैंक के आर्थिक चिट्ठे बनाने में विभिन्न अनुसूचियों का वर्णन कीजिए तथा उसका नमूना दीजिए। **V. V. I.** ..... 46 ..... 55

- **व्यवहारिक प्रश्नोत्तर V. V. I.**

# CORPORATE ACCOUNTING (Hons.) (2021)

**1.** निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत लिखें। ... 7

**2.** कम्पनी का समापन क्या है ? समापन की विधियों का वर्णन करें। ... 38

**3.** पूर्वाधिकार अंश क्या है ? विभिन्न प्रकार के पूर्वाधिकार अंशों का वर्णन कीजिए। ... 17

**4.** ऋणपत्र से आप क्या समझते हैं? अंश एवं ऋणपत्र में अंतर बतायें। ... 18

**5.** निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखें : (क) आयगत खाता, (ख) सूत्रधारी कम्पनी ... 52

**6.** 20,000 अंशों के आवेदकों को 10,000 अंशों का आवंटन किया गया था। 20रु॰ आवेदन पर, 50रु॰ प्रति अंश आवंटन पर तथा शेष 30 रु॰ प्रति अंश अन्तिम याचना पर देय थे। 200 अंशों पर आवंटन तथा याचना को छोड़कर सभी देय राशियाँ प्राप्त हो गई थी। आवश्यक रोजनामचा की प्रविष्टियां कीजिए।

**7.** 31 मार्च, 2020 को सूत्रधारी कम्पनी एवं उसकी सहायता कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे निम्न प्रकार हैं :

| Particulars | H. Co. | S. Co. |
|---|---|---|
| 1. Equity and Labilities : | Rs. | Rs. |
| (i) अंशधारियों का कोष : | | |
| अंश पूजी : | | |
| (Equity share of Rs. 10 each) | 32,000 | 18,000 |
| लाभ-हानि | 8,000 | (400) |
| (ii) चालू दायित्व | | |
| व्यापारिक देयता | 6,000 | 11,000 |
| Total | 46,000 | 25,000 |
| 2. गैर चालू सम्पतियाँ : | | |
| विविध सम्पतियाँ | 30,000 | 25,000 |
| सहायक कं॰ में 1440 अंश | 16,000 | |
| Total | 46,000 | 25,000 |

1 अप्रैल, 2019 को सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के अंश प्राप्त किये, इसी तिथि को सहायक कम्पनी के लाभ-हानि खाते में 3000 रु॰ जमा शेष थे। मिश्रित आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

**8.** 1 जुलाई 2020 को M और B Ltd. का उस तिथि से एक चालू व्यापार को खरीदने के उद्देश्य से समामेलन हुआ। 31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कुल बिक्री 50,000 रु॰ थी, जिसमें 1 अप्रैल से 30 जून तक की अवधि तक के लिए 10,000 रु॰ तथा वर्ष के शेष 9 माह के लिए 40,000 रु॰ की बिक्री थी। पूरे वर्ष के लिए खातों के अनुसार सकल लाभ 15,000 रु॰ काक था और उस वर्ष के लिए कुल व्यय 9,900 रु॰ के थे। व्ययों में 300 रु॰ संचालकों का पारिश्रमिक सम्मिलित है। M एण्ड B लि॰ में बिक्री को आधार मानकर लाभ का कौन-सा भाग समामेलन से पूर्व का एवं कौन-सा भाग समामेलन के पश्चात का माना जाना चाहिए।

**9.** UCO Bank का 31 मार्च, 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ-हानि खाता निम्नांकित सूचनाओं के आधार पर बनाइए :

ऋणों पर ब्याज 2,59,000, स्थायी जमा पर ब्याज 2,75,000, भुनाये हुए बिलों पर असमाप्त कटौती 49,000, ग्राहकों से लिया गया कमीशन 8,200, वेतन, किराया और कर 72,000, भुनाये

हुए बिलों पर कटौती 1,95,000, नगद साख खातों पर ब्याज 2,23,000, चालू खातों पर ब्याज 42,000, अधिविकर्ष पर ब्याज 54,000, अंकेक्षकों की फीस 4,200, बचत बैंक जमाओं पर ब्याज 68,000, डाक एवं तार 1,400, छपाई एवं लेखन सामग्री 2,900, विविध व्यय 1,700

10. असम कम्पनी लि॰ का, जिसकी प्रत्येक 50 रु॰ के (40 रु॰ दत्त) 9000 अंशों में विभक्त 4,50,000 रु॰ की पूँजी और 90,000 रु॰ का एक संचय था, बंगाल ट्रेडिंग कम्पनी लि॰ द्वारा जिसकी प्रत्येक 30 रु॰ के (25 रु॰ दत्त) 40,000 अंशों में विभक्त 12,00,000 रु॰ की पूँजी और 2,00,000 रु॰ का संचय था। इन शर्तों पर कि संविलीन कम्पनी में प्रत्येक तीन अंशों के बदले संविलयन करने वाली कम्पनी पांच अंश (आंशिक दत्त जैसा कि प्रारंभ में थे) देगी, संविलियन किया गया।

संविलियन करने वाली कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल की प्रविष्टियाँ कीजिए तथा एकीकरण के पश्चात चिट्ठा तैयार कीजिए।

## CORPORATE ACCOUNTING (Hons.) (2020)

1. निम्नलिखित कथनों में से कौन 'सत्य' या 'असत्य' हैं, लिखें : ... 7
2. अंशों के हरण से आप क्या समझते हैं? अंशों के हरण एवं पुनः निर्गमन हेतु जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए। ... 12
3. समामेलन के पूर्व एवं पश्चात् का लाभ या हानि निकालने की विधि का वर्णन कीजिए। ... 20
4. समेकित आर्थिक चिट्ठे से आप क्या समझते हैं? यह कैसे बनाया जाता है? ... 33
5. बैंक के आर्थिक चिट्ठे बनाने में विभिन्न अनुसूचियों का वर्णन कीजिए तथा उसका नमूना दीजिए। ... 46
6. निम्नलिखित की रोजनामया प्रविष्टियाँ दीजिए :
   (क) सममूल्य पर ₹ 100 प्रत्येक के 1,000, 9% ऋणपत्रों का निर्गमन और सममूल्य पर शोधनीय।
   (ख) 5% प्रीमियम पर ₹ 100 प्रत्येक के 1,000, 9% ऋण पत्रों का निर्गमन लेकिन सममूल्य पर शोधनीय।
   (ग) सममूल्य पर ₹ 100 प्रत्येक के 1,000, 9% ऋणपत्रों का निर्गमन लेकिन 5% प्रीमियम पर शोधनीय।
   (घ) 5% प्रीमियम पर ₹ 100 प्रत्येक के 1,000, 9% ऋणपत्रों का निर्गमन और 5% प्रीमियम पर शोधनीय।
7. एक कम्पनी की चुकता अंश पूँजी ₹ 3,20,000 है, जो ₹ 10 वाले ₹ 8 चुकता 40,000 अंशों में विभक्त है। लाभ-हानि खाता द्वारा ₹ 1,40,000 का क्रेडिट शेष दर्शाया गया है।
   कम्पनी चुकता अंश पूँजी को ₹ 6 चुकता तक कम करने का निर्णय करती है और इसके लिए आवश्यक राशि को संचित लाभ से लेकर भुगतान करती है। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।
8. एक कम्पनी का ऐच्छिक समापन हुआ। इसकी सम्पत्तियों से ₹ 3,50,000 प्राप्त हुए। इसमें वह राशि शामिल नहीं है जो कि उन प्रतिभूतियाँ के बेचने से प्राप्त हुई जो पूर्ण रक्षित लेनदारों के अधिकार में थी, निम्नांकित स्थिति थी :

   अंश-पूँजी : ₹ 100 वाले 1,000 अंश

   पूर्ण रक्षित लेनदार (प्रतिभूतियों पर ₹ 40,000 प्राप्त हुए)

| | |
|---|---|
| पूर्वाधिकार लेनदार | 6,000 |
| अरक्षित लेनदार | 1,40,000 |
| ऋणपत्र जिनका कम्पनी की सम्पत्तियों पर फ्लोटिंग अधिकार हो | 2,50,000 |
| समापन व्यय | 5,000 |
| निस्तारक का पारिश्रमिक | 7,500 |

   निस्तारक का अन्तिम खाता बनाइए।

9. बिहार बिजली कं॰लि॰ के संचालक ने एक विद्यमान मशीन को एक दुगुनी समता एवं शक्तिशाली मशीनन द्वारा बदलने का निश्चय किया। पुरानी मशीन ₹ 20,00,000 की लागत पर प्राप्त की गयी थी, लेकिन उसकी लागत अब तक 75% और बढ़ गयी है। नयी मशीन की लागत ₹ 90,00,000 होगी और पुरानी मशीन के विक्रय से ₹ 10,00,000 प्राप्त होंगे। ₹ 90,00,000 की लागत का विभाजन पूँजी एवं आगम व्ययों के मध्य कीजिए और कम्पनी की पुस्तकों इन व्यवहारों की जर्नल में प्रविष्टियाँ कीजिए।
10. निम्नांकित तथ्यों पर ध्यान देने के पूर्व एक दुर्घटना बीमा कम्पनी का 31 मार्च, 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष का आगम खाते द्वारा दिखाया गया लाभ ₹ 1,80,000 है:

| | |
|---|---|
| (क) दावों की सूचना प्राप्त हुई पर भुगतान नहीं हुआ | 20,000 |
| (ख) पुनर्बीमा के अन्तर्गत प्राप्त होने वाले दावे | 6,000 |
| (ग) ब्याज आर्जित किन्तु अप्राप्त | 3,000 |
| (घ) अदत्त प्रबन्ध व्यय | 8,000 |
| (ङ) एजेन्टों को देय कमीशन जिसका अभी तक भुगतान नहीं हुआ है | 2,000 |

उपर्युक्त भूलों के लिए जर्नल में लेखे कीजिए तथा इसके पश्चात् दुर्घटना व्यवसाय का लाभ प्रकट कीजिए।

## CORPORATE ACCOUNTING (Hons.) (2019)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें जिसमें प्र॰ सं॰ 1 अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित कथनों में से कौन 'सत्य' या 'असत्य' हैं, लिखें :
   (a) माँग राशि के भुगतान न करने पर अंशों का हरण किया जा सकता है।
   (b) सदस्यों को लाभांश बाँटने के लिए प्रतिभूति प्रीमियम का प्रयोग नहीं हो सकता है।
   (c) वित्तीय विवरण अनुमानित तथ्य होते हैं।
   (d) ख्याति मूर्त सम्पत्ति है।
   (e) ख्याति फर्म के प्रत्याशित अधिलाभों का वर्त्तमान मूल्य है।
   (f) लेखांकन प्रमाप 10 के अन्तर्गत एकीकरण को परिभाषित किया गया है।
   (g) कम्पनी अधिनियम की धारा 66 (i) के अन्तर्गत अंश पूँजी में कमी को परिभाषित किया गया है।
   (h) अल्पमत अंशधारियों का हित मिश्रित आर्थिक चिट्ठे में दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।
   (i) बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 में पारित किया गया था।
   (j) आन्तरिक पुनर्निर्माण में कम्पनी के समापन की आवश्यकता नहीं होती है।
2. ऋणपत्र शोधन संचय के सृजन के सम्बन्ध में सेबी के मार्गदर्शन का वर्णन कीजिए।
3. कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के प्रारूप के अनुसार कम्पनी के स्थिति विवरण का नमूना बनाइये।
4. एकीकरण क्या है? एकीकरण के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
5. दोहरा खाता प्रणाली तथा सामान्य खाता प्रणाली में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
6. 1 अप्रैल, 2018 को सत्यपाल, स्कूटर इण्डिया लिमिटेड के प्रत्येक ₹ 10 वाले 500 अंशों के धारक थे। उसने ₹ 4 प्रति अंश की दर से भुगतान किया था। उसी तिथि को संचालकों की एक सभा में प्रथम एवं अन्तिम याचना क्रमशः ₹ 2 तथा ₹ 4 प्रति अंश की दर से न चुकाये जाने के कारण उसके अंशों का हरण कर लिया गया। 1 मई, 2018 को ये अंश मंगललाल को ₹ 4,500 में पूर्णदत्त रूप से पुनर्निर्गमित कर दिये गये। कम्पनी की पुस्तकों में हरण एवं पुनर्निर्गमन के लेखे हेतु रोजनामचा की प्रविष्टियाँ कीजिए।

7. एक कम्पनी की अंश पूँजी ₹ 20 वाले पूर्णदत्त 30,000 अंशों में विभक्त थी। पुनर्निर्माण के उद्देश्य से यह निर्णय किया गया कि ₹ 20 वाले अंशों की प्रति ₹ 5 अंशों में विभाजित किया जाये। इसके बाद सदस्यों ने कम्पनी के पुनर्गठन हेतु धारित 4 अंशों में से 3 अंश समर्पित करने का निश्चय किया।
जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए यदि समर्पित अंशों में से 2/3 को ₹ 3,50,000 पुस्तकीय मूल्य वाले दायित्वों को निपटाने के लिए पुनर्निर्गमित किया जाता है। शेष 1/3 बचे हुए समर्पित अंशों में से 20% को ₹ 24,000 में जनता को पुनः निर्गमित किये जाते हैं तथा 80% के बाद में रद्द कर दिया जाता है।

8. एक सीमित दायित्व वाली कम्पनी एक चालू व्यापार को 1 अप्रैल, 2013 से लेने के लिए 1 जुलाई, 2013 को समामेलित हुई। इसके लेखों से निम्नांकित तथ्य प्रकट हुए :
(i) वर्ष 2013-14 को सम्पूर्ण बिक्री ₹ 80,000 ।
(ii) 1 अप्रैल, 2013 से 30 जून, 2013 तक की बिक्री ₹ 20,000।
(iii) सम्पूर्ण वर्ष का सकल लाभ ₹ 30,000।
(iv) 2013-14 के समस्त व्यय (संचालकों की फीस ₹ 1,000 सहित) ₹ 25,000।
(v) कम्पनी की अंश पूँजी ₹ 75,000।
इस सीमित दायित्व वाली कम्पनी का समामेलन पूर्व तथा समामेलन के पश्चात् के लाभ या हानि को पृथक प्रकट करते हुए लाभ हानि विवरण बनाइये।

9. निम्न सूचनाओं से H लि. और उसकी सहायक कं. S लि. का समेकित आर्थिक चिट्ठा बनाइये :

| Particulars | | H. Ltd. | S Ltd. |
|---|---|---|---|
| I. Equity and Liabilities : | | ₹ | ₹ |
| 1. Shareholder's Fund : Equity share capital of ₹ 10 each | | 1,20,000 | 50,000 |
| 2. Current Liabilities : Trade Payable | | 80,000 | 30,000 |
| | **Total** | **2,00,000** | **80,000** |
| II. Assets : | | | |
| 1. Non current Assets : Sundry Assets. | | 1,60,000 | 80,000 |
| Investment (4,000 shales in S Ltd) | | 40,000 | |
| | **Total** | **2,00,000** | **80,000** |

10. 31 मार्च, 2018 को एक बैंक की पुस्तकें बन्द करते समय ऋण खाता-बही में एक ग्राहक की आरक्षित डेबिट बाकी ₹ 3,00,000 थी। इसकी संदिग्ध वित्तीय दशा के बारे में सूचना मिली है। इस खाते में वर्ष का ब्याज ₹ 24,000 है। आप इस ब्याज को 2017-18 में किस प्रकार लिखेंगे? अगले वर्ष 31 मार्च, 2018 तक के ऋणों के बदले में बैंक को ₹ 1 में 94 पैसे मिलते हैं। 2017-18 एवं 2018-19 में इन सौदों के प्रभावों को दिखाते हुए बैंक की पुस्तकों में आवश्यक खाता बनाइये।

## CORPORATE ACCOUNTING (Hons.) (2018)

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें जिसमें प्र० सं० 1 अनिवार्य है।**

1. निम्नलिखित कथन 'सही' हैं या 'गलत' बताएँ :
(a) अंशों के निर्गमन पर प्रार्थना प्राप्त करना पहला कदम है।
(b) प्रीमियम पर अंशों के निर्गमन के लिए अंशों को प्रीमियम पर निर्गमन लेखा को नाम किया जायेगा।
(c) कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा क्षैतिज रूप में रखा जा सकता है।

(d) अधिकार का मूल्य = अंश का बाजार मूल्य दायित्व।
(e) लेखांकन प्रमाप 13 के अन्तर्गत एकीकरण को परिभाषित किया गया है।
(f) रहतिया को अंशों में बदलने के लिए समता अंश लेखा को नाम किया जायेगा।
(g) मिश्रित आर्थिक चिट्ठा के सम्पत्ति पक्ष में अल्पमत अंशधारियों के हित को प्रस्तुत किया जाता है।
(h) लेनदारों द्वारा भी कम्पनी का स्वैच्छिक समापन हो सकती है।
(i) दोहरा लेखा प्रणाली के अनतर्गत पूँजी खाता को पूँजी प्राप्ति एवं व्यय खाता भी जाना जाता है।
(j) सामान्य बीमा व्यवसाय के आगम लेखा के लिए प्रारूप बी-आर ए बताया गया है।

2. अंशों के हरण से आप क्या समझते हैं? अंशों के हरण एवं पुन: निर्गमन हेतु जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।
3. समामेलन के पूर्व एवं पश्चात् लाभ अथवा हानि क्या है? इसकी गणना क्यों की जाती है?
4. दोहरा लेखा प्रणाली की मुख्य विशेषताओं, गुण एवं दोषों का वर्णन कीजिए।
5. एक सामान्य बीमा कम्पनी के आगम लेखा तथा स्थिति विवरण का काल्पनिक नमूना दीजिए।
6. ABC लि. ने ₹ 100 वाले 34481, 6% ऋणपत्र 1 अप्रैल, 2013 को निर्गमित किये। इनका भुगतान चार वर्ष के अन्त में किया जाता है। अत: इसके भुगतान के लिए एक सिंकिंग फण्ड खाता बनाना है और इसमें प्रति वर्ष 31 मार्च को एक निश्चित राशि हस्तान्तरित करनी है। प्रथम विनियोग 5% चक्रवृद्धि ब्याज की दर पर 31 मार्च, 2014 को किया गया। 31 मार्च, 2017 को विनियोग की बिक्री से ₹ 25,22,000 प्राप्त हुए।
ABC लि. की पुस्तकों में आवश्यक खाते बनाइए।
7. निम्न दायित्वों के साथ XY कं. लि. का समापन हुआ :
(अ) रक्षित लेनदार ₹ 20,000 (₹ 25,000 प्रतिभूतियों से प्राप्त हुए)।
(ब) पूर्वाधिकार लेनदार ₹ 6,000।
(स) अरक्षित लेनदार ₹ 30,000। निस्तारण के ₹ 252 व्यय हुए।
निस्तारक वसूल हुई धन राशि का 3% तथा अरक्षित लेनदारों को वितरित की गयी राशि का 1.5% पारिश्रमिक प्राप्त करने का अधिकारी है। विभिन्न सम्पत्तियों से ₹ 26,000 वसूल हुए जिनमें ऐसी सम्पत्तियाँ सम्मिलित नहीं हैं। जो पूर्ण रक्षित लेनदारों के पास है।
निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइए। निस्तारक अपने पारिश्रमिक को बेची गयी कुल सम्पत्तियों से प्राप्त धन पर लेने का अधिकारी है जिनमें वे प्रतिभूतियाँ की सम्मिलित हैं जो पूर्ण रक्षित लेनदारों के पास हैं।
8. X बिजली आपूर्त्ति कम्पनी का स्पष्ट लाभ ₹ 61,000 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाली वर्ष का है। निम्नांकित विवरण को ध्यान में रखकर पूँजी आधार एवं उचित आय के विवरण तथा लाभों के आधिक्य का विभाजन दिखाने वाला विवरण भी बनाइए।

| | ₹ |
|---|---|
| विकास संचय | 1,00,000 |
| बिजली बोर्ड द्वारा ऋण | 3,00,000 |
| ह्रास के लिए प्रावधान | 50,000 |
| प्रशुल्क और लाभांश नियन्त्रण संचय | 40,000 |
| स्थायी सम्पत्तियों की मूल लागत | 6,00,000 |
| संदिग्ध संचय से अनिवार्य विनियोग | 1,00,000 |
| कार्यशील पूँजी | 1,90,000 |

संदिग्ध संचय से अनिवार्य विनियोग पर ब्याज की दर 5% है। रिजर्व बैंक की दर 10% है।

9. कुल अग्रिमों में से ₹ 41,00,000 के अग्रिम मूर्त सम्पत्तियों द्वारा रक्षित है, ₹ 7,00,000 के अग्रिम बैंक व सरकार की गारंटी द्वारा रक्षित हैं तथा शेष अरक्षित हैं। कुल अग्रिमों का 80% भारत में है तथा शेष भारत के बाहर है। भारत में दिये गये अग्रिमों में से ₹ 20 लाख के अग्रिम प्राथमिक क्षेत्र को, ₹ 12 लाख के सार्वजनिक क्षेत्र को तथा ₹ 3 लाख बैंकों को दिये गये हैं। इसी प्रकार भारत के बाहर दिये गये अग्रिमों में से बैंकों को ₹ 6 लाख के अग्रिम दिये गये हैं। अग्रिमों को एक्सिस बैंक लि. के आर्थिक चिट्ठे में बैंकिंग विनिमय अधिनियम, 1949 (1991 में संशोधित) के अनुसार दिखाइए।

31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एक्सिस बैंक लि. के कुल अग्रिमों का विवरण निम्नलिखित हैं :

| | ₹ |
|---|---|
| (क) क्रय किये गये और भुनाये गये बिल | 13,00,000 |
| (ख) नकद साख और अधिविकर्ष | 21,00,000 |
| (ग) मियादी ऋण | 16,00,000 |

10. पवन कम्पनी लि. का, जिसकी प्रत्येक ₹ 50 के (₹ 40 दत्त) 9,000 अंशों में विभक्त ₹ 4,50,000 की पूँजी और ₹ 90,000 का एक संचय था। मोहन कम्पनी लि. द्वारा, जिसकी प्रत्येक अंश ₹ 30 के (₹ 25 दत्त) 40,000 अंशों में विभक्त ₹ 12 लाख की पूँजी और ₹ 2 लाख का एक संचय था। इन शर्तों पर कि संविलयन कम्पनी में प्रत्येक तीन अंशों के बदले संविलयन करने वाली कम्पनी पाँच अंश (आंशिक दत्त जैसा कि प्रारम्भ में थे) देगी, संविलयन किया गया है।

संविलयन करने वाली कम्पनी की पुस्तकों में पूँजी प्रविष्टियाँ दीजिए तथा एकीकरण के पश्चात् आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिए।

❐❐❐

# Rekha V.V.I. Questions for 2022 Examination

## नीचे दिय गये *V.V.I.* प्रश्नों के उत्तर आपके *Rekha Guess Paper Business Regulatory Framework* में मौजूद हैं


- **वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर V. V. I.** ..... 9

1. अनुबन्ध किसे कहते हैं? संक्षेप में एक वैध अनुबन्ध के तत्त्वों को समझाइये। **अथवा,** "एक ठहराव जो सन्निमय द्वारा प्रवर्त्तनीय होता है, अनुबंध कहलाता है।" इस कथन को समझाइये। **V. V. I.** ..... 14
2. प्रस्ताव के बारे में आप क्या जानते हैं? प्रस्ताव के लिए निमंत्रण से यह किस प्रकार भिन्न है? उदाहरण सहित जबाव दें। ..... 15
3. स्वतन्त्र सहमति से आप क्या समझते हैं? सहमति स्वतन्त्र कब नहीं मानी जाती है? ..... 24
4. प्रतिफल की परिभाषा दीजिये। बिना प्रतिफल के अनुबन्ध व्यर्थ होता है, इस नियम के अपवादों का वर्णन कीजिये। **V. V. I.** **अथवा,** क्या प्रतिफल रहित ठहराव सदैव व्यर्थ होते हैं? ..... 29
5. उन विविध रीतियों का विवेचन कीजिये जिनके द्वारा अनुबंध समाप्त होता है। **V.V.I.** ..... 31
6. अनुबन्ध खण्डन की दशा में पीड़ित पक्षकार को उपलब्ध विभिन्न उपचारों की व्याख्या कीजिये। **V. V. I.** ..... 33
7. गिरवी (बन्धक) रखने को परिभाषित कीजिए। गिरवी रखने वाले और गिरवी रख लेने वाले के अधिकार और कर्त्तव्य बताइए। ..... 39
8. ''अर्द्ध-अनुबंध वास्तव में है, किन्तु अधिनियम में नहीं है।'' समीक्षा करें। अर्द्ध-अनुबंध के प्रकारों को बतलाइये। ..... 48
9. गिरवी की व्याख्या कीजिए तथा निक्षेप से अन्तर बताइये। **V. V. I.** ..... 51
10. वस्तु विक्रय अनुबंध में सुपुर्दगी (परिदान) की परिभाषा दीजिए तथा सुपुर्दगी से संबंधित नियमों की व्याख्या करें। ..... 52
11. विक्रय अनुबन्ध क्या है ? विक्रय और विक्रय के अनुबन्ध में अन्तर बताइये। **अथवा,** विक्रय अनुबन्ध क्या है? इसके लक्षणों का वर्णन कीजिए। **V. V. I.** ..... 54
12. परक्राम्य विलेख को परिभाषित कीजिए और उन मूलभूत विशेषताओं का वर्णन कीजिए जो एक परक्राम्य विलेख के साधारण माल से अलग करती है? ..... 59
13. 'क्रेता सावधान रहे' के सिद्धान्त की व्याख्या तथा इसके अपवादों को बताइये। ..... 60
14. विनिमय साध्य विलेखों की मान्यताओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। **अथवा,** विनिमय-साध्य लेख-पत्र की परिभाषा दीजिए तथा इसके आवश्यक लक्षणों का वर्णन कीजिए। **V. V. I.** ..... 61
15. प्रतिज्ञा पत्र की परिभाषा तथा एक प्रतिज्ञा पत्र एवं विनिमय पत्र में अन्तर करें। ..... 62

16. उपभोक्ता कौन है? उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत उसके क्या अधिकार हैं?
**अथवा,** उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत उपभोक्ताओं को उपलब्ध निवारण तंत्र को समझाइये। ..... 66
17. प्रवर्तक कौन होते हैं? प्रवर्तकों के दायित्वों एवं कर्तव्यों का उल्लेख करें। ..... 68
18. भारतीय कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत एक सार्वजनिक कम्पनी के निर्माण से सम्बन्धित वैधानिक औपचारिकताओं की विवेचना कीजिए। **V. V. I.** ..... 71
19. कम्पनी की सभाओं (बैठकों) पर प्रकाश डालें।
**अथवा,** वार्षिक साधारण सभा क्या है? इस सभा के बुलाये जाने तथा सम्पन्न किये जाने से सम्बन्धित प्रावधानों का वर्णन करें। ..... 81
20. सीमित दायित्व साझेदारी की विशेषताओं का वर्णन करें। साझेदारी से इसका अन्तर बतायें। **V. V. I.** ..... 84

## BUSINESS REGULATORY FRAMEWORK (Hons.) (2021)

1. बताएँ कि निम्नलिखित कथन 'सत्य' हैं या 'असत्य' :
(a) भारत में व्यापारिक सन्नियम सन् 1827 में बना था।
(b) अनुबन्ध सदैव वैध होता है।
(c) अनुबन्ध का क्षेत्र ठहराव की तुलना में अधिक व्यापक है।
(d) प्रस्ताव की स्वीकृति शर्त-रहित हो सकती है।
(e) अवयस्क दण्डनीय अपराध के लिए दोषी नहीं है।
(f) धमकी देना उत्पीड़न नहीं है।
(g) प्रतिफल तृतीय पक्षकार की इच्छा पर होना चाहिए।
(h) बीमा का अनुबन्ध बाजी लगाने का ठहराव है।
(i) निक्षेप में माल और उसके स्वामित्व दोनों का हस्तांतरण होता है।
(j) साझेदारी ठहराव लिखित में होना आवश्यक नहीं है।
2. "समस्त अनुबन्ध ठहराव होते है, किन्तु समस्त ठहराव अनुबन्ध नहीं होते।" व्याख्या कीजिये। भारतीय अनुबन्ध अधिनियम 1872 के उपबन्धों के आधार पर उक्त कथन की विवेचना कीजिए। ..... 12
3. अनुबन्ध करने की क्षमता से आप क्या समझते हैं? इस सम्बन्ध में अवयस्क की स्थिति की विवेचना कीजिए। ..... 21
4. 'बल प्रयोग' तथा 'अनुचित प्रभाव' में अन्तर बताइये। ..... 30
5. भारतीय अनुबन्ध अधिनियम के अन्तर्गत स्पष्ट रूप से व्यर्थ घोषित ठहरावों की विवेचना कीजिए। ..... 47
6. निक्षेप क्या होता है? निक्षेपी तथा निक्षेपगृहिता के कर्तव्यों का उल्लेख कीजिए। ..... 36
7. एजेन्सी की परिभाषा दीजिए। यह किस प्रकार समाप्त होता है? ..... 41
8. अदत्त विक्रेता की परिभाषा दीजिए। अदत्त विक्रेता के माल के प्रति क्या अधिकार होते हैं? समझाइए। ..... 58
9. 'धारक' एवं 'यथाविधिधारक' में अन्तर स्पष्ट कीजिए। ..... 63
10. सूत्रधारी कम्पनी तथा सहायक कम्पनी से आप क्या समझते हैं? विवेचना कीजिए। ..... 78

## BUSINESS REGULATORY FRAMEWORK (Hons.) (2020)

1. बतायें कि निम्नलिखित कथन 'सत्य' हैं या 'असत्य' :
   (a) अनुबन्ध के लिए दो या दो से अधिक पक्षकारों का होना आवश्यक है।
   (b) प्रत्येक ठहराव वैध होता है।
   (c) प्रत्येक अनुबन्ध राजनियम द्वारा प्रवर्तनीय है।
   (d) कोई व्यक्ति स्वयं को प्रस्ताव नहीं कर सकता।
   (e) अवयस्क के सम्बन्ध में अवरोध का सिद्धान्त लागू होता है।
   (f) प्रतिफल वचन का मूल्य है।
   (g) विवाह में रुकावट डालने वाला ठहराव व्यर्थ है।
   (h) निक्षेप अनुबन्ध में प्रतिफल का होना आवश्यक है।
   (i) एजेण्ट के कार्यों के लिए नियोक्ता उत्तरदायी होता है।
   (j) विक्रय एक निष्पादित अनुबन्ध है।
2. अनुबन्ध किसे कहते हैं? संक्षेप में एक वैध अनुबन्ध के आवश्यक तत्वों को समझाइए। ..... 14
3. क्या प्रतिफल रहित ठहराव सदैव व्यर्थ होते हैं? ..... 29
4. संक्षेप में ऐसी रीतियों की विवेचना कीजिये जिनमें एक अनुबन्ध का अन्त हो जाता है। ..... 31
5. अनुबन्ध खण्डन की दशा में पीड़ित पक्षकार को उपलब्ध विभिन्न उपचारों की व्याख्या कीजिये। ..... 33
6. 'गिरवी' की व्याख्या कीजिए तथा निक्षेप से अन्तर बताइये। ..... 51
7. विक्रय अनुबन्ध क्या है? विक्रय अनुबन्ध के लक्षणों का वर्णन कीजिए। ..... 54
8. विनिमय-साध्य लेख-पत्र की परिभाषा दीजिए तथा इसके आवश्यक लक्षणों का वर्णन कीजिए। ..... 61
9. भारतीय कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत एक सार्वजनिक कम्पनी के निर्माण से सम्बन्धित वैधानिक औपचारिकताओं की विवेचना कीजिए। ..... 71
10. सीमित दायित्व साझेदारी की विशेषताओं का वर्णन करें। ..... 84

## BUSINESS REGULATORY FRAMEWORK (Hons.) (2019)

1. बतायें कि निम्नलिखित कथन 'सत्य' है या 'असत्य' हैं:
   (a) सभी समझौता अनुबन्ध है।
   (b) अनुबन्ध वैधानिक दायित्व उत्पन्न करता है।
   (c) विक्रय एवं विक्रय समझौता में कोई अन्तर नहीं है।
   (d) माल के स्वत्व का हस्तांतरण निक्षेपी द्वारा नहीं किया जा सकता है।
   (e) विनिमय साध्य लेख पत्र में सद्विश्वास का होना आवश्यक है।
   (f) चेक का भुगतान हमेशा माँग पर होता है।
   (g) कम्पनी विधान द्वारा निर्मित प्राकृतिक व्यक्ति होता है।
   (h) निर्गमित पूँजी और प्रार्थित पूँजी एक है।
   (i) एक साझेदारी का निर्माण नाबालिग के साथ हो सकता है।
   (j) सीमित दायित्व साझेदारी कानून 2008 में बना था।

2. 'एक ठहराव जो सन्निमय द्वारा प्रवर्त्तनीय होता है, अनुबंध कहलाता है'। इस कथन को समझाइये।
3. स्वतंत्र सहमति से आप क्या समझते हैं? सहमति स्वतंत्र कब नहीं मानी जाती? बतावें।
4. अदत्त विक्रेता को परिभाषित करें। अदत्त विक्रेता के अधिकारों की व्याख्या करें।
5. 'विक्रय अनुबन्ध' क्या है? विक्रय तथा विक्रय के ठहराव में अन्तर बतावें।
6. 'विनिमय साध्य लेख पत्र' क्या है? विनिमय विपत्र एवं प्रतिज्ञा पत्र में अन्तर स्पष्ट करें।
7. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 पर एक लेख लिखें।
8. प्रवर्त्तक कौन होते हैं? प्रवर्त्तकों के दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का उल्लेख कीजिए।
9. वार्षिक साधारण सभा क्या है? इस सभा के बुलाये जाने तथा सम्पन्न किये जाने से सम्बन्धित प्रावधानों का वर्णन करें।
10. सीमित दायित्व वाली साझेदारी को परिभाषित करें। इनकी विशेषताओं को इंगित करें।

## BUSINESS REGULATORY FRAMEWORK (Hons.) (2018)

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें जिसमें प्र० सं० 1 अनिवार्य है।**

1. बतायें कि निम्नलिखित कथन 'सत्य' हैं या 'असत्य' :
   (a) क्रेता सावधान एक नियम है।
   (b) विक्रय और विक्रय के ठहराव में कोई अंतर नहीं है।
   (c) चेक एक विनिमय साध्य लेख-पत्र नहीं है।
   (d) एक पत्नी अपने पति का वैधानिक एजेन्ट होता है।
   (e) एक अवयस्क को एजेन्ट नियुक्त किया जा सकता है।
   (f) अवयस्क के साथ किया गया अनुबंध व्यर्थ है।
   (g) वस्तुओं का प्रदर्शन एक प्रस्ताव है।
   (h) एक ठहराव वैधानिक उत्तरदायित्व उत्पन्न करता है।
   (i) एक एजेन्सी, का निर्माण प्रदर्शन द्वारा नहीं होता है।
   (j) एक प्रस्ताव, जो स्वीकृत हो जाए ठहराव कहलाता है।
2. प्रस्ताव के बारे में आप क्या जानते हैं? प्रस्ताव के लिए निमन्त्रण से यह किस प्रकार भिन्न है? उदाहरण सहित जबाव दें।
3. वस्तु विक्रय अनुबंध में सुजुर्दगी की परिभाषा दीजिए तथा सुप्तर्दगी से सम्बन्धित नियमों की व्याख्या कीजिए।
4. साझेदारी क्या है? यह सीमित दायित्व साझेदारी से किस प्रकार भिन्न है?
5. निक्षेप की परिभाषा दीजिए। निक्षेपकों के अधिकार एवं कर्त्तव्यों की विवेचना कीजिए।
6. एजेन्सी को परिभाषित करें। उन विभिन्न रीतियों का वर्णन करें जिनसे एजेन्सी स्थापित होती है।
7. एक उपभोक्ता कौन है? उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत उसके क्या अधिकार हैं?
8. 'परक्राम्य विलेख' को परिभाषित कीजिए और उन मूलभूत विशेषताओं का वर्णन कीजिए जो एक परक्राम्य विलेख को साधारण माल से अलग करती है?
9. कम्पनी की बैठकों पर एक लेख लिखें।
10. ''अर्द्ध-अनुबन्ध वास्तव में किन्तु अधिनियम में नहीं है।'' समालोचना कीजिए। अर्द्ध-अनुबन्धों के प्रकारों को बताइए।

❐❐❐